बजट के प्रावधान से शिक्षा को मिलेगा मजबूत आधार :डॉ आशीष

आम बजट पर वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डॉ .आशीष की प्रतिक्रिया

नवभारत न्यूज

सतना 1 फरवरी. वैसे तो हर वर्ष प्रस्तुत होने वाले केंद्रीय बजट में रक्षा क्षेत्र के मद में बढ़ोत्तरी देखने को मिलती है. लेकिन इस बार शिक्षा क्षेत्र के लिए लगभग 1.39 लाख करोड़ रु के प्रावधान के चलते शिक्षा को मजबूत आधार मिलेगा. वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक डॉ. आशीष तिवारी ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह जानकारी साझा की.

केंद्रीय बजट 2026-27 पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. तिवारी ने बताया कि इस बार शिक्षा क्षेत्र के लिए लगभग 1.39 लाख करोड़ रु का प्रावधान किया गया है. जिससे शिक्षा का मजबूज आधार मिलेगा. इसके साथ ही सरकार ने शिक्षा-रोजगार के बेहतर समन्वय के लिए देश भर में 5 युनविर्सिटी टाउनशिप स्थापित करने की घोषणा की है. लिहाजा सीमेंट टेक्नोलॉजी, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और नॉन इंजीनियरिंग से संबंधित प्रशिक्षण व रोजगार के बीच की खाईं कम होगी. जिससे एक ओर जहां कंपनियों को स्किल्ड युवा मिलेंगे वहीं युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर. इसी कड़ी में डॉ. तिवारी ने यह भी कहा कि घोषित की गई 5 युनिवर्सिटी टाउनशिप में से यदि एक भी विंध्य क्षेत्र में आ जाए तो यहां की बेरोजगारी दर काफी हद तक कम हो सकेगी. इसके साथ ही हर जिले में छात्राओं के लिए हॉस्टल निर्माण का प्रावधान भी महिला शिक्षा को बढ़ावा देने में काफी मददगार साबित होगा. इसके अलावा डिजिटल शिक्षा, एआई और कौशल विकास पर फोकस के साथ यह बजट भविष्य उन्मुख शिक्षा की दिशा तय करता है. जिसके लिए अलग से एक ऐप लांच होने पर युवओं को काफी सहायता मिल सकेगी. वहीं खेती में एआई टेक्नोलॉजी का प्रयोग बढ़ाना किसानों के लिए भी लाभाकारी होगा.

आयुर्वेदिक एम्स सराहनीय

डॉ. तिवारी के अनुसार सरकार द्वारा केंद्रीय बजट 2026-27 में इस बात की घोषणा की गई है कि 3 आयुर्वेदिक एम्स खोले जाएंगे. आयुर्वेद एम्स खुलने से एक ओर जहां नई नई खोज के रास्ते खुलेंगे वहीं दूसरी ओर इससे एलौपैथी का साइड इफेक्ट झेल रहे लोगों को काफी राहत मिलेगी. इस पुरानी संस्कृति से आयुर्वेद को जोड़ने का सफलतमा प्रयास माना जा सकता है.

खेल की अनदेखी

केंद्रीय बजट 2026-27 पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. तिवारी ने बताया कि पूरे बजट में खेल के विषय को महज 1-2 मिनट में ही समाप्त कर दिया गया. एक ओर जहां देश के खिलाड़ियों से ओलंपिक-एसियाड गेम्स में मेडल जीतने की उम्मीद की जाती है वहीं दूसरी ओर बजट में इसके लिए विशेष प्रावधान नही किया जाता. खेल की अनदेखी की वजह से नौनिकाल खिलाड़ियों के प्रोत्साहन पर विपरीत असर पड़ेगा.

बजट ऐतिहासिक व आत्मनिर्भर भारत को मजबूती देने वाला : गणेश

नवभारत न्यूज

सतना 1 फरवरी, रविवार को संसद में 53.5 लाख करोड़ का बजट जिसमें आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित भारत को अपना लक्ष्य मानते हुए, सबसे ज्यादा घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने हेतु जिसमें देश की हर जरूरत को पूरा किया जाएगा, साथ ही नए रोजगार सृजित किए जा सकेंगे,

यह बात सांसद गणेश सिंह ने बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही. उन्होंने बताया कि ऊर्जा सुरक्षा के निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। इस बजट से रोजगार सृजन, कृषि उत्पादकता में वृद्धि, परिवारों को क्रय शक्ति में बढ़ावा तथा अधोसंरचना के निर्माण में महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। देश की विकास दर 7 प्रतिशत से अधिक रहने का दावा किया गया है। बजट में 12.2 लाख करोड रुपए अधोसंरचना के निर्माण हेतु प्रावधान किया गया है। 10 हजार करोड़ रुपए मैन्युफैक्चरिंग के निर्माण में, 10 हजार करोड रुपए एमएसएमई को चैम्पियन बनाने की दिशा में, 7 हाई स्पीड रेल कॉरिडोर, हरित विकास और उर्जा सुरक्षा के लिए 20 हजार करोड़ का निवेश किया गया है.

सत्ता पक्ष ने आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ते कदम तो विपक्ष ने बजट को निराशाजनक बताया

नवभारत न्यूज

सतना 1 फरवरी,केन्द्रीय बजट पर सत्ता और विपक्ष के साथ-साथ व्यापारी संगठनों की मिली जुली प्रतिक्रिया सामने आई है सत्ता ने जहां बजट को आत्मनिर्भर भारत के बढ़ते कदम कहा है वहीं विपक्ष ने जनता के लिये बजट में कोई सुविधा नहीं होने का जिक्र किया है.

प्रदेश सचिव कन्फ़ेडरेशन आफ आल इंडिया टेंडर्स(कैट) अशोक दौलतानी ने कहा यह बजट दूरदर्शी सोच, व्यावहारिक नीतियों और आर्थिक सशक्तिकरण का उत्कृष्ट समन्वय है, जो भारत को विकसित भारत ञ2047 के लक्ष्य की ओर निर्णायक रूप से आगे बढ़ाएगा।

यह बजट किसानों एवं आम लोगों की उम्मीदों के विपरीत :संतोष – यह बजट देश के करोड़ों

युवाओं, किसानों, कर्मचारियों, बेरोजगारों और मध्यमवर्ग की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। बजट में न तो महंगाई से राहत का प्रावधान है, न बेरोज़गारी कम करने की ठोस योजना और न ही किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूक्क) की गारंटी का जिक्र भी नही है।

देश के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा बजट :अतुल- बजट देश के

सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा । प्रस्तुत बजट में विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत को लक्ष्य मानकर सबसे ज्यादा घरेलू उत्पाद पर जोर दिया गया है ।

उम्मीदों से भरा बजट: प्रियांशा यह बजट उम्मीदों से भरा है।

किसानों, छात्रों से लेकर सूक्ष्म और मध्यम उद्योगों, हेल्थकेयर वर्कर्स का ध्यान रखते हुए रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाए गए है। इसके साथ ही कमाई के अवसरों को बढ़ाने के कई उपाय किए गए हैं।

निराशाजनक रहा बजट वास्तविक समस्याओं को किया गया नजर अंदाज : सविता- बजट निराशाजनक है केन्द्रीय सरकार द्वारा वास्तविक समस्याओं को नजर अंदाज किया गया है । मंहगाई, स्वास्थ्य, शिक्षा,

किसानों एवं युवाओं के रोजगार को भी अनभिज्ञ रखा गया है । मध्यवर्गीय, गरीबों के लिए बजट में कुछ भी नहीं है।

बजट का भविष्य उसके अमल पर टिका: सुरेंद्र शर्मा - प्रस्तुत

केंद्रीय बजट को विकास की दिशा में बढ रहे कदम को आगे बढ़ाने वाला है स्वास्थ, शिक्षा, सड़क, रोजगार के साथ समावेशी विकास के लिए सरकार के प्रयास सराहनीय तो है जब उस पर पूर्णतया अमल हो।

राहत और निराशा का संतुलन:आशीष -केंद्रीय बजट

देश की आर्थिक नीतियों, विकास प्राथमिकताओं और सामाजिक दायित्वों का प्रतिबिंब होता है। इस वर्ष के बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र को लेकर सकारात्मक संकेत मिले हैं। कुछ आम एवं दुर्लभ बीमारियों की दवाइयों पर राहत देकर सरकार ने आम जनता को लाभ पहुँचाया है, हालांकि, इनकम टैक्स में किसी भी प्रकार की छूट न मिलने से मध्यम वर्ग की उम्मीदें पूरी नहीं हो सकीं।

सर्वस्पर्शी एवं समावेशी बजट: मनीष-भाजपा के वरिष्ठ नेता

समाजसेवी मनीष तिवारी ने आज संसद में पेश आम बजट को सर्वस्पर्शी,समावेशी और विकासोन्मुख बताते हुए इसे देश की मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए दूरगामी परिणामों वाला बताया है। श्री तिवारी ने कहा कि बजट में देश की सुरक्षा के प्रावधानों, इंफ्रास्ट्रक्चर, कैंसर सहित गंभीर रोगों की जीवन रक्षक दवाओं की कीमतों में कमी सहित गरीबों,किसानों, नौजवानों, महिलाओं के हित की बहुत सारी बातें शामिल है ।

अर्थव्यवस्था को मजबूत करने वाला बजट है:श्री कृष्ण- संसद में 53.5 लाख करोड़ का बजट पेश किया गया जो वर्ष 2047 में विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करेगा 7 उक्त बजट में 17 तरह की कैंसर की दवाइयों को कर से मुक्त करने का प्रावधान किया गया है तथा दिव्यांगों के लिए दिव्यांग कौशल योजना एवं दिव्यांग सहारा योजना का भी प्रावधान किया गया है.

अनियंत्रित ई-रिक्शा ने पांच वाहनों को टक्कर मारी

नवभारत न्यूज

सतना 1 फरवरी, शहर के सर्किट हाउस क्षेत्र में रविवार शाम एक अनियंत्रित ई-रिक्शा ने सड़क पर पांच बाइकों और पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। इस घटना में कई लोग मामूली रूप से घायल हो गए। वहीं घटना होता देख चालक मौके से भाग निकला।

प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के अनुसार, ई-रिक्शा अत्यधिक तेज गति से चल रहा था और चालक ने उस पर से नियंत्रण खो दिया। इसके परिणामस्वरूप, रिक्शा सड़क किनारे चल रहे पैदल यात्रियों और दोपहिया सवारों से टकरा गया। टक्कर के बाद भी रिक्शा नहीं रुका और आगे बढ़ता रहा। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ई-रिक्शा को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक वाहन लेकर भागने की कोशिश करता रहा। आसपास मौजूद लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए कई किलोमीटर तक उसका पीछा किया और अंतत: ई-रिक्शा को रुकवाकर चालक को पकड़ लिया। मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही चालक भीड़ का फायदा उठाकर चकमा देकर भाग निकला। बताया गया कि वह आयुष्मान हॉस्पिटल रोड से भागते हुए जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के पास पहुंचा, जहां उसे दोबारा पकड़ा गया, लेकिन फिर से भीड़ देखकर वह फरार हो गया। घटना को देखते हुए स्थानीय नागरिकों ने शहर में ई-रिक्शा के संचालन पर सख्त निगरानी और नियमों के कड़ाई से पालन की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सर्व समाज ने राष्ट्रीय आह्वान पर सतना बंद की अपील कर किया प्रदर्शन

यूजीसी नियम वापसी की मांग को लेकर जताया विरोध, शहर में दिखा मिला-जुला असर

नवभारत न्यूज

सतना 1 फरवरी, यूजीसी के नए प्रावधानों पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भले ही फौरी तौर पर रोक लगा दी गई हो, लेकिन इसके विरोध का आक्रोश थामने का नाम नहीं ले रहा है। इसी कड़ी में यूजीसी नियम वापस लेने की मांग को लेकर सर्व समाज द्वारा रविवार को बंद का आह्वान किया गया।

शहर में इसका मिला-जुला असर देखने को मिला। दोपहर के समय आंदोलनकारियों ने शहर के मुख्य बाजार क्षेत्रों में पहुंचकर दुकानों को बंद कराया। बंद के समर्थन में विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता भी शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों ने पन्नीलाल चौक, बिहारी चौक, स्टेशन रोड और आसपास के व्यापारिक क्षेत्रों में रैली निकाली। उन्होंने व्यापारियों से प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील की। इस दौरान कई स्थानों पर दुकानदारों ने स्वेच्छा से दुकानें बंद रखीं, जबकि कुछ क्षेत्रों में सामान्य गतिविधियां भी जारी रहीं। बंद के कारण बाजार में आवाजाही और खरीदारी पर आंशिक असर देखा गया।

वहीं प्रशासन की ओर से बंद के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। कुल मिलाकर, बंद का असर शहर में आंशिक रूप से सफल रहा, जबकि कई इलाकों में सामान्य जनजीवन चलता रहा।

व्यापक आंदोलन की चेतावनी

आंदोलन में शामिल लोगों ने यूजीसी से संबंधित प्रावधानों को वापस लेने की मांग दोहराई। उन्होंने इसे आम लोगों तथा शिक्षा व्यवस्था के हित में बताया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आगे और व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

सतर्क रही पुलिस

स्थिति को नियंत्रित रखने और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचाव के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। सीएसपी देवेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में पुलिस बल को प्रमुख चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किया गया था। पुलिस टीम लगातार गश्त करती रही और आंदोलनकारियों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखी।

बेरोजगारी का दंश : नौकरी के लिए भगदड़, छत से कूदे युवा, पुलिस हुई असहाय

- बेकाबू हालत के चलते बनी रही अनहोनी की आशंका, पुलिस भी बेबस नजर आई

नवभारत न्यूज

सतना 1 फरवरी, रोजगार अथवा स्वरोजगार को लेकर भले ही बेहिसाब दावे किए जाएं लेकिन हकीकत उस समय सामने आती है जब युवाओं के लिए नौकरी की कीमत अपनी जान से बढ़कर नजर आने लगे।

कुछ ऐसा ही नजारा शहर में उस समय देखने को मिला नौकरी की तलाश में जुटे युवाओं की भीड़ इस कदर बेकाबू हो गई कि भगदड़ मचने के साथ साथ लोगों ने छत से कूदने का प्रयास किया। हालांकि सोचने मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। लेकिन हालत के मद्देनजर बेबस खड़े रहने के अलावा पुलिसकर्मियों के पास कोई चारा नहीं था। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के भरहुत नगर क्षेत्र में एक प्रमुख सीमेंट ग्रुप के कार्यालय के बाहर सैकड़ों बेरोजगार युवा इंटरव्यू देने पहुंचे थे। जिसके कारण परिसर और

आसपास की सड़क पर भारी भीड़ जमा हो गई। भीड़ इतनी अधिक थी कि कार्यालय परिसर में पैर रखने की जगह नहीं बची। कार्यालय के बाहर सड़क पर भी जाम लग गया। स्थानीय निवासियों ने किसी अप्रिय घटना की आशंका में पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस भी इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने में बेबस नजर आई।

बताया गया कि सतना के अलावा कटनी, मैहर और पन्ना जैसे शहरों से आए युवाओं में अव्यवस्था को लेकर नाराजगी थी।

लंबे इंतजार के बाद भी जब वे कार्यालय के अंदर नहीं जा पाए, तो कुछ युवाओं ने जान जोखिम में डालकर बाउंड्री वॉल पर चढ़ना शुरू कर दिया। कई अन्य लोग बगल की इमारत के सहारे कार्यालय की छत पर कूदकर सीढ़ियों से अंदर घुसने का प्रयास करने लगे। जिससे पूरा इलाका अफरा-तफरी का शिकार हो गया। वहीं मौके पर मौजूद पुलिस भी इतनी भारी भीड़ को नियंत्रित करने में असहाय नजर आई।

जारी हुआ था विज्ञापन

सीमेंट कंपनी ने हाल ही में एक विज्ञापन जारी किया था, जिसमें सीमेंट प्लांट में सीधी भर्ती के लिए 1 फरवरी को भरहुत नगर स्थित कार्यालय में युवाओं को बुलाया गया था। उम्मीदवारों को अपना रिज्यूम और अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लाने को कहा गया था। यह भर्ती इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल इंजीनियरों, मशीन ऑपरेटरों और कई अन्य पदों के लिए थी।

एक नजर में

सेनानियों की याद में राष्ट्रीय गान

सतना, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वार्गीय अवधबिहारी पयासी कारीगोही के पौत्र एड के के पयासी के घर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर सहीद उत्तराधिकार परिवार समित जिला सतना के तत्वावधान मे राष्ट्रीय कार्यक्रम अनुसार प्रतिमां में माल्यार्पण कर राष्ट्रगान किया गया .इस अवसर पर एड केके पयासी जी ने पुज्य बाबा की जीवन पर घटित घटनाओ का बिस्तर से उल्लेख किया कार्यक्रम की मुख्य अतिथ संगठन की प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व महापौर ममता पांडेय ने स्वतंत्रता सेनानी का देश के निर्वाण में अहम योगदान को लेकर अपने बिचार रखे संगठन प्रदेश महासचिव श्री अरुण प्रताप सिंह नें उत्तराधिकारी परिवार की भविष्य को लेकर चिंता जताई और यह निर्णय लिए की मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंच कर अपनी बात कलेक्टर से बिनम्र आग्रह करें गे,

झखौरा में विवादित जमीन पर निर्माणाधीन भवन जमींदोज

प्रशासन पुलिस और राजस्व अमले की संयुक्त कार्रवाई, तीन घंटे चली जेसीबी

नवभारत न्यूज

सतना 1 फरवरी, जिले के बरौधा क्षेत्र अंतर्गत झखौरा गांव में प्रशासन ने विवादित जमीन पर बने गुंबदनुमा भवन को ध्वस्त कर दिया। लालमन चौधरी उर्फ अब्दुल रहमान द्वारा निर्मित इस भवन को लेकर पारिवारिक विवाद था।

पुलिस जांच में यहां मतांतरण गतिविधियां चलने की बात सामने आई। एसडीएम के आदेश पर हुई इस कार्रवाई में जेसीबी को तीन घंटे लगे, जिसमें पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। धारकुंडी थाना क्षेत्र के झखौरा गांव में जिस जमीन पर इस निर्माण को लालमन चौधरी उर्फ अब्दुल रहमान द्वारा कराया जा रहा था, उसको लेकर उनके स्वजन कामता चौधरी से पारिवारिक विवाद चल रहा है। दोनों ही इस भूमि पर अपना-अपना दावा कर रहे हैं। कामता चौधरी की आपत्ति पर मझगवां के एसडीएम ने जांच कराने के बाद गत पांच जनवरी को इस विवादित भवन को सीज करने के साथ ही स्वामित्व विवाद का निराकरण होने तक स्थल की निगरानी ग्राम पंचायत द्वारा किए जाने का आदेश जारी किया था। हालात उस समय बिगड़े जब लालमन चौधरी उर्फ अब्दुल द्वारा उक्त स्थल पर गुंबदनुमा धार्मिक निर्माण शुरू करा दिया गया। इस पर प्रशासन ने निर्माण के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। इसी कड़ी में रविवार की सुबह मझगवां एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, तहसीलदार बिरसिंहपुर शैलेन्द्र शर्मा, तहसीलदार मझगवां हिमांशु शुक्ला और एसडीओपी चित्रकूट की मौजूदगी में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। जेसीबी की मदद से करीब तीन घंटे तक चली कार्रवाई में विवादित धार्मिक संरचना सहित पूरा भवन गिरा दिया गया।

मतांतरण की गतिविधियां

पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि इस निर्माणाधीन भवन में धार्मिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। इसी कड़ी में मस्जिदनुमा गुंबद का निर्माण शुरू कराया गया। दरअसल, लालमन चौधरी ने कुछ वर्ष पूर्व स्वयं का मतांतरण कर अपना नाम अब्दुल रहमान रख लिया और बाद में अपने बेटे व रिश्तेदार का भी मतांतरण कराया। आरोप है कि यहां से अन्य लोगों के भी मतांतरण की कोशिशें की जा रही थीं।

प्रभारी मंत्री ने किया उप स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण

नवभारत न्यूज

सतना / मैहर 1 फरवरी, मध्यप्रदेश शासन की पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री एवं मैहर जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह ने रविवार को जनपद पंचायत मैहर अंतर्गत ग्राम पंचायत गोबरी में नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का विधिवत लोकार्पण किया।

क्षेत्रीय ग्रामीणों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से इस भवन का निर्माण 49.14 लाख रुपये की लागत से किया गया है। लोकार्पण के दौरान प्रभारी मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर संकल्पित है। इस केंद्र के शुरू होने से अब स्थानीय निवासियों को प्राथमिक उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

रविदास जयंती मनी

सतना 1 फरवरी, शहर अध्यक्ष राष्ट्रीय मजदूर इंटक कांग्रेस सुनील गुप्ता की अध्यच्ता मे रामन टोला मे रविदास जयंती के अवसर मे कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमे समाज के सभी वर्गों के लोग सम्मिलित हुए लालमन चौधरी, राम कलेश,गोलू चौधरी,अंश जैन आकाश वर्मा,गर्वित चौपड़ा बेटू साकेत, राजा रैदास,लक्की शर्मा अदनान सिद्दीकी,मुन्ना भाई, जसप्रीत सिंह पापे,कवि चौपड़ा अनिल दिलीप साके आदि उपस्थित रहे.

एसएमटीए स्कूल में वार्षिक खेलकूद दिवस मनाया

नवभारत न्यूज

सतना 1 फरवरी, मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन द्वारा परमार्थ संचालित एस .एम .टी. ए स्कूल में छोटे छोटे बच्चों ने वार्षिक खेल दिवस मनाया !

मुख्य अतिथि के रूप में सिद्धार्थ सुखलाल कुशवाहा रहे. वही विशिष्ट अतिथि के रूप में अजय सोनी, दिलीप जैसवाल ,

अशोक अग्रवाल, जेठा नंद वाधवानी , राजदीप अग्रवाल , रामवतार त्रिपाठी , मनोज कटारे, पुपेंद्र दुवेदी दादू भैया रहें. कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष मनोज शर्मा ने किया. संस्था महामंत्री अभिषेक जैन जी ने सभी अतिथियों को स्कूल की गतिविधियों से अवगत कराया. कार्यक्रम में आभार स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती प्रियंका भगत ने किया.

विश्व हिंदू परिषद ने मनाई संत रविदास जयंती

सतना, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा राजेंद्र नगर स्थित संत रविदास जी के मंदिर में संत रविदास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एव पुष्प वर्षा कर पूजन अर्चन किया गया। संत रविदास जिन्हें लोग गुरु रविदास भी कहते हैं उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से समाज को संदेश दिया कि व्यक्ति अपने अच्छे कार्यों से महान बनता है आज इसीलिए हिंदुओं के प्रमुख मार्गदर्शक संत के रूप में संत रविदास को समाज याद करता है इस अवसर पर प्रमुख रूप से विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के जिला अध्यक्ष

विक्रम चौधरी, जिला उपाध्यक्ष राज बहादुर मिश्रा . मनीष शर्मा .देवेंद्र सतनामी राकेश तिवारी, राजेश मिश्रा, अश्वनी दहिया, बादल चतुर्वेदी, पंकज पांडे, मनोज विनोदिया, अजय तिवारी, प्रयेशी मिश्र, राजीव जोशी सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

यूजीसी को लेकर ओबीसी एससी एसटी संयुक्त मोर्चा की बैठक आज

सतना, यूजीसी की नई रूलिंग को लेकर ओबीसी एससी एसटी वर्ग के संगठनों और सामाजिक समितियों के प्रतिनिधियों व पदाधिकारियों की बैठक का आयोजन सोमवार, 2 फरवरी को दोपहर 12 बजे से अजाक्स कार्यालय सिविल लाइन कोठी रोड सतना में किया गया है। आयोजित बैठक में सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के साथ यूजीसी के समर्थन में आगामी कार्य योजना की चर्चा कर रणनीति बनाई जाएगी। यूजीसी समर्थन समिति के संयोजकों ने समस्त ओबीसी एससी एसटी वर्ग के संगठनो और सामाजिक समितियों के पदाधिकारियों से बैठक में उपस्थित होने की अपील की गई है।